University in News on 03 June 2025

JAGRAN CITY PAGE III

लवि कृषि में भी पढ़ाएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

विश्वविद्यालय में कृषि संकाय की बैठक में नया कोर्स और अध्यादेश को मंजूरी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कृषि महाविद्यालयों में आगामी सत्र 2025-26 से स्नातक स्तर पर नए बी.एससी आनर्स एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू होगी। इसमें विद्यार्थियों को कृषि में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाया जाएगा। सोमवार को कृषि विभाग की बोर्ड आफ स्टडीज और संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में नए कोर्स और अध्यादेश को मंजूरी दे दी गई। विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक के बाद इसे जुलाई से सभी कृषि कालेजों में लागू किया जाएगा।

लवि से सम्बद्ध 23 कृषि महाविद्यालय संचालित हैं। कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति के अनुसार स्नातक कृषि के चार वर्षीय कोर्स को मंजूरी दे दी गई है। इसके क्रेडिट सिस्टम में बदलाव किया गया है। अब पूरा कोर्स 167 क्रेडिट का होगा। इसमें छात्र-छात्राओं के पास वोकेशनल और इलेक्टिव पेपर के कई विकल्प होंगे। पांचवें सेमेस्टर में एक सप्ताह का शैक्षिक टूर भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वोकेशनल कोर्स में पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, मशरूम प्रोडक्शन टेक्नोलाजी, बेनीफिशयल इनसेक्ट फार्मिंग से लेकर एनएसएस, एनसीसी व योग का पेपर भी इसमें शामिल किया गया है। इसके अलावा चौथे सेमेस्टर में एग्रीकल्चर इंफार्मेटिक एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का पेपर भी पहली बार पढ़ाया जाएगा।

ये भी सुविधा होगी : नए कोर्स के अनुसार बी.एससी प्रथम सेमेस्टर के ऐसे छात्र-छात्राएं जो नान मैथमेटिक्स (12वीं में) वाले होंगे, उनके लिए इंट्रोडक्ट्री मैथमेटिक्स का पेपर शामिल किया गया है। वहीं, जिनके पास बायोलाजी नहीं है, वे इंट्रोडक्ट्री बायो का पेपर ले सकेंगे। आठ सेमेस्टर के कोर्स में स्किल इनहैंसमेंट को ध्यान में रखते हुए एग्री बिजनेस सहित कई पेपर शामिल किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तन, आर्गेनिक फार्मिंग जैसे पेपर इलेक्टिव में पढ़ने को मिलेंगे। अधिष्ठाता प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि पूरा कोर्स एनईपी के फ्रेक वर्क पर बना है, जो इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च की छठी डीन कमेटी के अनुसार है। बैठक में डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. वीके शर्मा, जूलाजी के प्रो. एम सिराजुद्दीन, गणित के प्रो. विवेक सहाय, बाटनी से प्रो.शालिनी श्रीवास्तव, प्रो. एसएन पांडेय, प्रो. अलका, प्रो. रत्ना, अर्थशास्त्र से प्रो. रोली मिश्रा, प्रो. कैथल मौजूद रहे।

लवि में कृषि संकाय की बैठक में शामिल विभागों के अध्यक्ष • लवि

इस विषय की पढ़ाई करके निकले बहुत से छात्र बने न्यायाधीश, आइएएस, पीसीएस और प्रोफेसर

लखनऊ विश्वविद्यालय का गौरव...राजनीति शास्त्र विभाग

अखिल तकसेना • जागरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सन 1922 में देश के पहले राजनीति शास्त्र विभाग की शुरुआत हुई थी। ब्रिटिश काल में मिले इस गौरव का क्रेडिट प्रोफेसर वीएस राम को जाता है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शिक्षक एवं 1920 में लीग आफ नेशन के भारतीय प्रतिनिधि मंडल में शामिल प्रो. वीएस राम इस विभाग के संस्थापक अध्यक्ष रहे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री राम कृष्ण हेगड़े हों या राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री बरकतुल्लाह खान। ये सभी इसी विभाग के छात्र रहे हैं। अपने शिक्षकों और गहन शिक्षण की वजह से राजनीति शास्त्र की पढ़ाई करके निकले बहुत से विद्यार्थी न्यायाधीश, आइएएस, पीसीएस व शिक्षक के रूप में चमक रहे हैं। यही वजह है कि प्रवेश के लिए इस विषय की मांग अधिक है। विदेशी विद्यार्थी भी हर साल इसमें रुचि दिखा रहे हैं। 12वीं के बाद इस विषय से स्नातक के लिए लवि बेहतर विकल्प है। जरिए विभाग की खास बातें-

लखनऊ विश्वविद्यालय का राजनीति शास्त्र विभाग

ये भी जानें

विभाग में प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर	छात्र और छात्राएं
13	730

विभाग के प्रमुख अनमोल रत्न

- मनीष कुमार, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
- विजेंद्र त्रिपाठी, न्यायाधीश, लखनऊ
- सुमीता सेठ, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, लखनऊ
- अंकिता गुप्ता, पीसीएस
- डा. जितेंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी, दानपुर
- तव वर्मा, आइएएस
- गजेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कमिश्नर, मुरादाबाद
- तीना चौधरी, आइएएस
- डा. पूजा पांडेय, आइएएस, मेघालय
- ऋचा जोशी, आइएएस
- नेत्र रत्नाकर, इंडियन रेलवे ट्राफिक सर्विसेज
- सुरभि मिश्रा, आइएएस
- अजीत कुमार गौतम, पीसीएस प्रोफेसर
- विनीता शर्मा, आइपीएस
- अजय डोबी, पूर्व राज्य सूचना आयुक्त

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर होता है गहन अध्ययन : संजय गुप्ता

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय गुप्ता बताते हैं कि राजनीति शास्त्र विभाग की अपनी अलग पहचान है। ये कहा जा सकता है कि जेएनयू के बाद लवि ऐसा संस्थान है जहां अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर गहन अध्ययन होता है। हमारा उद्देश्य सिर्फ विद्यार्थियों को डिग्री देना नहीं है। उन्हें बाजार के अनुसार तैयार करना भी है। राजनीति शास्त्र का हमारा कोर्स भी सिविल सेवा परीक्षा को ध्यान में रखकर है। इसके लिए अलग से कोई कोचिंग की जरूरत नहीं होती। विभाग के शिक्षक रेगुलर क्लास लेकर उन्हें हर अपडेट बताते हैं।

धारा 370 से लेकर विकसित भारत भी कोर्स में

राजनीति शास्त्र कोर्स में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का अध्ययन, संविधान के निर्माण की प्रक्रिया से लेकर अनुच्छेद, धारा 370 को हटाने, 129वां संविधान संशोधन बिल-एक राष्ट्र एक चुनाव के लाभ-हानि, प्रधानमंत्री के 2047 आत्म निर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना सहित सब कुछ अपडेट पढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय संबंध भी पढ़ाते हैं। भारत की विदेश नीति के सामने कौन से संकट खड़े हैं, उसके संदर्भ में आपरेशन सिंदूर, आपरेशन बालाकोट पर लेक्चर और गहन विश्लेषण भी किया जाता है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारत की प्रमुख विभूतियां पंडित दीन दयाल उपाध्याय, स्वामी विवेकानंद भी कोर्स में है। बांग्ला देश में सत्ता परिवर्तन, भारत के लिए आर्थिक, राजनीतिक, सामरिक और सैन्य चुनौतियां, भारत की विदेशी नीति कैसी होनी चाहिए ? इस पर शोध भी कराते हैं।

विभाग को बढ़ाने में अहम भूमिका

सेवानिवृत्त प्रो. एसएम सईद की किताब 'भारतीय शासन तथा राजनीतिक प्रणाली' आज भी दर्ज राज्यों में सिविल सेवा की तैयारी करने वाले विद्यार्थी जरूरत पढ़ते हैं। विभाग में इनका अहम योगदान रहा। इसके अलावा पूर्व शिक्षकों में प्रो. एलडी ठाकुर, प्रो. आशुतोष मिश्रा, प्रो. शशि शुक्ला, प्रो. आरके मिश्रा भी शामिल हैं। वर्तमान में प्रो. संजय गुप्ता, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. कमल कुमार, प्रो. कवि राज, प्रो. राघवेंद्र प्रताप सिंह जैसे प्रमुख शिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

देश में सबसे पहले लवि में राजनीति शास्त्र विभाग की स्थापना हुई थी। यहां से पढ़कर निकले बहुत से विद्यार्थी आइएएस, पीसीएस, जज, शिक्षक सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं। हम अपने कोर्स में भारतीय ज्ञान कोष, भारतीय चिंतन, भारतीय विदेशी नीति, भारतीय संविधान, राजनीति शास्त्र के सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय संबंध, भारतीय और अन्य देशों की संवैधानिक व्यवस्था भी पढ़ा रहे, क्योंकि सिविल सेवा में यह काफी मददगार होता है। हमारे शिक्षक भी अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित हैं।

- प्रो. मनुका खन्ना, प्रति कुलपति एवं प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय

कृषि संकाय में शामिल हुए कौशल विकास पाठ्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 से कृषि संकाय में पहली बार चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है। 120 सीटों पर शुरू हो रहे इस कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी हैं। इसके तहत कोर्स में छात्रों के संपूर्ण विकास एवं व्यावहारिक शिक्षा के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। इन्हें आधिकारिक सहमति देने के लिए सोमवार को संकाय में फैकल्टी बोर्ड एवं बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक हुई। इसमें इस पर मुहर लग गई।

संकाय अध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि छात्रों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 6वीं डीन समिति की सिफारिशों के अनुरूप तैयार कोर्स पढ़ाया जाएगा। पाठ्यक्रम में वैकल्पिक एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम, एनसीसी, एनएसएस की गतिविधियां शैक्षिक भ्रमण और अन्य अनुभवनात्मक शिक्षण गतिविधियां शामिल की जाएंगी। पाठ्यक्रम के लिए अलग से तैयार किए गए अध्यादेश को भी बैठक में मंजूरी दी गई। (संवाद)

यौगिक जीवन शैली अपनाकर बच सकते हैं डायबिटीज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के माध्यम से डायबिटीज नियंत्रण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अमित गौरैया ने कहा कि चीन के बाद सर्वाधिक डायबिटीज के रोगी भारत में हैं। यह जीवन शैली जनित रोग है। यौगिक जीवन शैली अपनाकर इससे बचा जा सकता है। संकाय के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि तनाव, मोटापा तथा अनियमित जीवन शैली इस रोग का मुख्य कारण है। (संवाद)

लविवि : सांख्यिकी विभाग की प्रयोगात्मक परीक्षा 13 जून को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में जिन विद्यार्थियों की सम सेमेस्टर में प्रयोगात्मक परीक्षाएं छूट गई हैं, वह 13 जून को दोबारा परीक्षा दे सकते हैं। इस परीक्षा में बीए व बीएससी के दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी शामिल होंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद सिद्दीकी ने पत्र जारी करते हुए प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि तय होने की जानकारी दी। परीक्षा तय तिथि को सुबह 11 से दोपहर दो बजे के बीच विभाग में होगी। विद्यार्थी समय से परीक्षा में शामिल हों। (संवाद)

चार वर्षीय स्नातक (ऑनर्स) को लेकर बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक सम्पन्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में चार वर्षीय स्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रम पर विचार-विमर्श हेतु सोमवार को बोर्ड ऑफ स्टडीज़ तथा फैकल्टी बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 6वीं डीन समिति की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है। बैठक का संचालन विभागाध्यक्ष, डीन कृषि विज्ञान संकाय एवं संयोजक प्रो. गौरी सक्सेना द्वारा कुलपति प्रो. आलोक के. राय के दिशा-निर्देश में किया गया। इस बैठक में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से नामित बाह्य सदस्य डॉ. राकेश सिंह एवं डॉ. प्रवीण प्रकाश तथा भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान से डॉ. ए.बी. सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वनस्पति विज्ञान, गणित, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभागों के संकाय सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान इस कार्यक्रम हेतु एक नवीन अध्यादेश का प्रारूप तैयार किया गया।

PIONEER PAGE 3

डायबिटीज में योग कारगर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के क्रम में योग सभागार में सोमवार को योग के माध्यम से डायबिटीज प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता डॉ अमित गौरैया ने कहा की डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है।

चीन के बाद सर्वाधिक डायबिटीज के रोगी भारत में हैं । यह जीवन शैली जनित रोग है, यौगिक जीवन शैली अपनाकर इस रोग से बचा जा सकता है। अर्धमत्स्येंद्रासन, मंडूकासन, धनुरासन तथा त्रिकोणासन इस रोग में फायदेमंद है । संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने कहा की तनाव, मोटापा तथा अनियमित जीवन शैली इस रोग का मुख्य कारण है। खून में शुगर बढ़ने का मुख्य कारण पेनक्रियाज से इंसुलिन का कम बनना है, इंसुलिन ही ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। इंसुलिन की अनुपस्थिति में रक्त में शुगर की मात्रा बढ़ जाता है। इसे डायबिटीज कहा जाता है। डायबिटीज नियंत्रण के लिए आसनों के अतिरिक्त रोगी को अनुलोम विलोम, कपालभाति तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। उचित खान-पान तथा तनाव रहित रहकर डायबिटीज के साथ भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी तथा भारी संख्या में जन सामान्य उपस्थित थे।

HINDUSTAN PAGE 8

लविवि : छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 13 को

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में बी.ए/बी.एससी सांख्यिकी दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर के छूटे हुए विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 13 जून को सुबह 11 बजे होगी। विद्यार्थियों को विभाग में समय से पहुंचना होगा।। विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद एच सिद्दीकी ने इसकी सूचना जारी की है।

सांख्यिकी विभाग की प्रयोगात्मक परीक्षा 13 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत सांख्यिकी विभाग में छूटे विद्यार्थियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 जून को दोबारा विभाग में आयोजित की जाएंगी। इसमें बीए व बीएससी के दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद सिद्दीकी ने पत्र जारी करते हुए सूचना दी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

यौगिक जीवन शैली अपनाकर डायबिटीज से बचाव संभव : डॉ. अमित गौरैया

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वावधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के क्रम में योग सभागार में योग के माध्यम से डायबिटीज प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता डॉ अमित गौरैया ने कहा की डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। चीन के बाद सर्वाधिक डायबिटीज के रोगी भारत में हैं। यह जीवन शैली जनित रोग है, यौगिक जीवन शैली अपनाकर इस रोग से बचा जा सकता है। अर्धमत्स्येंद्रासन, मंडूकासन, धनुरासन तथा त्रिकोणासन इस रोग में फायदेमंद है। संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने कहा की तनाव, मोटापा तथा अनियमित जीवन शैली इस रोग का मुख्य कारण है। खून में शुगर बढ़ने का मुख्य कारण पेनक्रियाज से इंसुलिन का कम बनना है इंसुलिन ही ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। इंसुलिन की अनुपस्थिति में रक्त में शुगर की मात्रा बढ़ जाता है। इसे डायबिटीज कहा जाता है। डायबिटीज नियंत्रण के लिए आसनों के अतिरिक्त रोगी को अनुलोम विलोम, कपालभाति तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। उचित खान-पान तथा तनाव रहित रहकर डायबिटीज के साथ भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी तथा भारी संख्या में जन सामान्य उपस्थित थे।

लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में चार वर्षीय स्नातक कोर्स को लेकर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में चार वर्षीय स्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रम पर विचार-विमर्श के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) तथा फैकल्टी बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 6वीं डीन समिति की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है। बैठक का संचालन विभागाध्यक्ष, डीन कृषि विज्ञान संकाय एवं संयोजक प्रो. गौरी सक्सेना द्वारा कुलपति प्रो. आलोक के. राय के दिशा-निर्देश में किया गया। इस बैठक में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से नामित बाह्य सदस्य डॉ. राकेश सिंह एवं डॉ. प्रवीण प्रकाश तथा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) से डॉ. एबी सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वनस्पति विज्ञान, गणित, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभागों के संकाय सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान इस कार्यक्रम के लिए एक नवीन अध्यादेश का प्रारूप तैयार किया गया। अद्यतन पाठ्यक्रम में कौशल विकास पाठ्यक्रम, वैकल्पिक एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम, साथ ही एनसीसी, एनएसएस, शैक्षिक भ्रमण और अन्य अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियां शामिल की जायेगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

मेरिट हुई बराबर तो जुड़ेंगे इंटर के नबर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि

- छात्रों को लॉगिन आईडी प्रयोग करके भरना होगा इंट के अंक
- जून अंतिम सप्ताह में हो सकती है प्रवेश परीक्षा

नए स्नातक छात्रों के प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। जो भी छात्र विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं उनको समयसीमा 15 जून का इंतजार नहीं करना चाहिए और तत्काल आवेदन कर देना चाहिए। प्रवेश परीक्षा की विधिवत तैयारी करें, हमारी शुभकामनाएं हैं।

-प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए आवेदन की तिथि 15 जून तक विस्तारित कर दी गई है। इसी के साथ छात्रों से यह भी कहा गया है कि वे अपने इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों को भी आवेदन पत्र में भर दें। उम्मीद की जा रही है कि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा आयोजन जून के अंतिम सप्ताह में करेगा। प्रवेश परीक्षा में जिन छात्रों के मेरिट बराबर होंगे उनके इंटरमीडिएट के अंक भी जोड़े जाएंगे। यदि इंटरमीडिएट के अंक जोड़ने के बाद भी मेरिट बराबर होती है तो ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय छात्रों की हाईस्कूल की जन्मतिथि के अनुसार मेरिट तैयार करेगा। दो या दो से अधिक छात्रों के समान मेरिट होने की स्थिति में जन्मतिथि के अनुसार वरिष्ठ छात्र-छात्रा को वरियता दी जाएगी।

सत्र 2025-26 के लिए केंद्रीकृत स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एलयूआरएन पर पंजीकरण करना होगा। इसके लिए पोर्टल आगामी 15 जून तक खुला रहेगा। सभी प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे। विश्वविद्यालय व सम्बद्ध, सहयुक्त महाविद्यालयों में जिन विद्यार्थियों को किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना है उनको अपना पंजीकरण (एलयूआरएन) पर कराना अनिवार्य होगा। इस बार विश्वविद्यालय में कई नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं जिनमें पहली बार प्रवेश होगा। प्रवेश परीक्षा के लिए छात्रों से इंटरमीडिएट स्तर के ही प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके लिए उनको सही उत्तर चुनने के विकल्प दिए जाएंगे।

बीए, बीएससी सांख्यिकी परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक सांख्यिकी सेमेस्टर 2, 4 और 6 की बीए और बीएससी की प्रायोगिक परीक्षाएं आगामी 13 जून को आयोजित की गई हैं। यह परीक्षाएं विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में दिन में 11 से 2 के बीच ली जाएंगी। जो इस परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं वे समय से उपस्थित होकर परीक्षा में भाग लें।

चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स में कौशल विकास भी होगा शामिल

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में चार वर्षीय स्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रम पर विचार-विमर्श हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज़ और फैकल्टी बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 6वीं डीन समिति की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है। बैठक का संचालन विभागाध्यक्ष डीन कृषि विज्ञान संकाय व संयोजक प्रो. गौरी सक्सेना द्वारा कुलपति प्रो. आलोक के. राय के दिशानिर्देश में किया गया। बैठक में बनारस हिंदू विवि से नामित बाह्य सदस्य डॉ. राकेश सिंह व डॉ. प्रवीण प्रकाश तथा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान से डॉ. एबी सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वनस्पति विज्ञान, गणित, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान व अर्थशास्त्र विभागों के संकाय सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में तय हुआ कि अद्यतन पाठ्यक्रम में कौशल विकास पाठ्यक्रम, वैकल्पिक एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम, साथ ही एनसीसी, एनएसएस, शैक्षिक भ्रमण और अन्य अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियां एजेंडे में शामिल की जाएंगी।

मधुमेह की रोकथाम को अपनाएं योग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि समेत सभी विश्वविद्यालयों में हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम
- चीन के बाद सर्वाधिक मधुमेह रोगी है भारत में

अमृत विचार: चीन के बाद सर्वाधिक मधुमेह रोगी भारत में हैं जो आजकल गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। यह जीवनशैली जनित रोग है, जिससे योगमय जीवन अपनाकर बचा जा सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के क्रम में योग सभागार में योग के माध्यम से डायबिटीज प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता डॉ. अमित गौरैया ने कहा की डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है।

योग विशेषज्ञों ने कहा कि अर्धमत्स्येंद्रासन, मंडूकासन, धनुरासन और त्रिकोणासन मधुमेह के शत्रु हैं। संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कहा की तनाव, मोटापा तथा अनियमित जीवनशैली इस रोग का मुख्य कारण है। खून में शुगर बढ़ने का मुख्य कारण पेनक्रियाज से इंसुलिन का कम बनना है इंसुलिन ही ब्लडशुगर को नियंत्रित करता है। इंसुलिन की अनुपस्थिति में रक्त में शुगर की मात्रा बढ़ जाता है। इसे ही मधुमेह कहा जाता है जिसके नियंत्रण के लिए आसनों के अतिरिक्त रोगी को अनुलोम विलोम, कपालभाति तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। उचित खान-पान तथा तनाव रहित रहकर डायबिटीज के साथ भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में योगाभ्यास करते छात्र-छात्राएं व शिक्षक। अमृत विचार

पुनर्वास विश्वविद्यालय में हुआ योग कार्यक्रम

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में योगाभ्यास का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 7 बजे से योगाभ्यास के विभिन्न कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए। जिसमें सूर्य नमस्कार, संगीत के साथ योगाभ्यास आदि कराया गया। संकल्प एवं सामूहिकता का प्रतीक नामक समिति ने दिव्यांग एवं गैर दिव्यांग विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। प्रतिभागियों को योगाभ्यास डॉ. अंजलि सिंह एवं योग इंस्ट्रक्टर किरण यादव के द्वारा कराया गया। इस अवसर पर डॉ. विजय वर्मा, प्रो. वीरेंद्र सिंह यादव, डॉ. विनोदिनी कटियार, डॉ. विजय शंकर शर्मा, डॉ. आलोक पांडेय, डॉ. विजय वर्मा, डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, डॉ. अंजली सिंह, डॉ. स्वाति ठाकुर, डॉ. बृजेश कुमार राय, अजीत यादव, अभिषेक कटियार, अनामिका उपस्थित रहे।

भाषा विश्वविद्यालय में योग पर हुई परिचर्चा

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विरासत से विकास योग की भूमिका विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ और योगाभ्यास कराया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से किया गया। परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ मोहम्मद शारिक ने योग की प्राचीन अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राचीन काल में योग का अभिप्राय स्वाध्याय, जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति तथा परमात्मा से जुड़ाव से था। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और मानसिक, सामाजिक व आत्मिक विकास का आधार है। डॉ. हसन मेहदी, सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सूर्य नमस्कार एवं अन्य महत्वपूर्ण आसनों का सामूहिक अभ्यास कराया गया।

HT PAGE 2

Board of studies meeting at LU

LUCKNOW : A board of studies meeting was organised by department of botany, Lucknow University to deliberate on the four-year undergraduate honours programme, designed in accordance with the 6th Deans' Committee recommendations of ICAR (Indian Council of Agricultural Research) on Monday. The meeting was conducted by convener, dean of agricultural sciences, and head, department of botany prof Gauri Saxena. It was attended by external nominated members from BHU Rakesh Singh and Praveen Prakash and AB Singh from IIVR as well as faculty members from various other departments.